जागरण

35 प्लस वर्ग में विन्नी बंसल ने भावना रावत को 21-12 व 21-14 से हराकर प्रथम दून स्मैशर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीता

18 वें मिनट में हि को पेनाल्टी फारवर्ड रोहित ने गोल में टीम को मैच में बढ़त दिल

यूटीयू के छह इंजीनियरिंग कालेजों में बढ़ेंगी बीटेक की सीट, पाठ्यक्रम बनेगा और उपयोगी

- नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप और रोजगारपरक बनाया जाएगा
- छह कालेजों को बीते 18 अप्रैल को कैबिनेट में यूटीयू का कैंपस परिसर बनाने का लिया गया निर्णय
- इन संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग की भी प्रदान की जाएगी सुविधा

ये छह कालेज बने यूटीयू कैंपस कालेज

- प्रौद्योगिकी संस्थान गोपेश्वर चमोली,
- महिला प्रौद्योगिकी संस्थान देहरादून
- डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विवि टनकपुर
- नन्हीं परी सीमांत प्रौद्योगिकी संस्थान पिथौरागढ़
- टीएचडीसी-आइएचटी नई टिहरी
- बौन इंजीनियरिंग कालेज उत्तरकाशी

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) के कैंपस कालेज बने छह इंजीनियरिंग कालेजों में बीटेक की सीटें बढ़ाई जाएंगी। साथ ही विवि की ओर से इन सभी स्ववित्तपोषित संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रम को और अधिक उपयोगी, नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप और रोजगारपरख बनाया जाएगा।

विदित रहे कि प्रदेश के छह इंजीनियरिंग कालेज तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित हो रहे थे। इन छह कालेजों को बीते 18 अप्रैल, 2023 को कैबिनेट की बैठक में वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) के कैंपस कालेज बनाने का निर्णय लिया गया। यूटीयू के कैंपस कालेज बनने पर यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि यह छह कालेज स्ववित्तपोषित हैं, इसलिए इन कालेजों में आय के स्त्रोत बढ़ाने के उपाय तलाशे जाएंगे। इन कालेजों में सीटें अपेक्षाकृत कम हैं। जिससे आने वाले समय में यहां बीटेक की सीटें विशेषकर कंप्यूटर साइंस की सीटों में इजाफा किया जा सकता है। साथ ही इन संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग की सुविधा भी दी जाएगी। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) पहले से ही उद्योगों के साथ एमओयू के अनुरूप छात्र-छात्राओं को उद्योगों में प्रशिक्षण के लिए भेजता है। जिससे देहरादून समेत प्रदेशभर के बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए दक्ष मैनपावर मिलता है।

> वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) से इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राएं सेलाकुईं, पटेलनगर, हरिद्वार, सितारंगज, काशीपुर आदि औद्योगिक क्षेत्रों में ट्रेनिंग प्राप्त करते हैं। जिन छात्रों का प्रदर्शन बेहतर होगा है। कंपनी उन इंजीनियरिंग के छात्रों को अपने यहां प्लेसमेंट करती है। यूटीयू और औद्योगिक संघ के बीच होने वाले एमओयू का लाभ छात्र-छात्राओं व उद्योगों दोनों को मिलता है। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि के छह कैंपस कालेज के छात्र-छात्राएं भी उद्योगों में प्रशिक्षण ले सकते हैं।
>
> सुनील उनियाल, अध्यक्ष, उत्तराखंड इंडस्ट्रीयल वेलफेयर एसोसिएशन

> यूटीयू के कैंपस कालेज बने इन इंजीनियरिंग कालेजों में विवि स्तर पर इन्हें और अधिक उपयोगी और गुणवत्ता परख बनाया जाएगा। इन इंजीनियरिंग कालेजों में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) के तय मानकों के अनुरूप पाठ्यक्रम को लागू किया गया है, लेकिन नई शिक्षा नीति-2020 के तहत उपयोगी, कौशल विकास और रोजगार परख पाठ्यक्रम को पारंपरिक पाठ्यक्रम के साथ जोड़ा जाएगा। ताकि वह इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए उपयोगी हो। इन संस्थानों की आय में इजाफा हो इसके लिए यहां बीटेक समेत अन्य सीटों पर भी इजाफा किया जाएगा।
>
> प्रो. ओंकार सिंह, कुलपति, वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू)